

कक्षा : 8

हिन्दी

पाठ: 1

# तेरी है जमीं

अभ्यास / स्वाध्याय



## अभ्यास

1. यह प्रार्थना छात्रों को टेपरिकार्डर या मोबाईल के जरिए सुनाइए और इसका समूहगान करवाइए।

## 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) आपके मत से सृष्टि में सर्वोपरि कौन है? क्यों?

➤ मेरे मत से सृष्टि में ईश्वर ही सर्वोपरि है, क्योंकि वह सर्वशक्तिमान है। वह जिसे बचाना चाहे, उसे कोई मार नहीं सकता और वह जिसे मारना चाहे उसे कोई बचा नहीं सकता।

**(2) आप भगवान से क्या प्रार्थना करते हैं?**

- हम भगवान से यह प्रार्थना करते हैं कि वे लोगों पर अपनी कृपादृष्टि बनाए रखें। लोग किस हालत में हैं, इसकी वे हमेशा खबर लेते रहें।

**(3) आप ईश्वर से प्रार्थना किस समय करते हैं ? क्यों?**

- मैं सुबह उठता हूँ तब और रात को सोने के समय ईश्वर की प्रार्थना करता हूँ। यह समय ही मुझे प्रार्थना के लिए अनुकूल लगता है।

(4) भिन्न-भिन्न धर्म के लोग प्रार्थना करने के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं ?

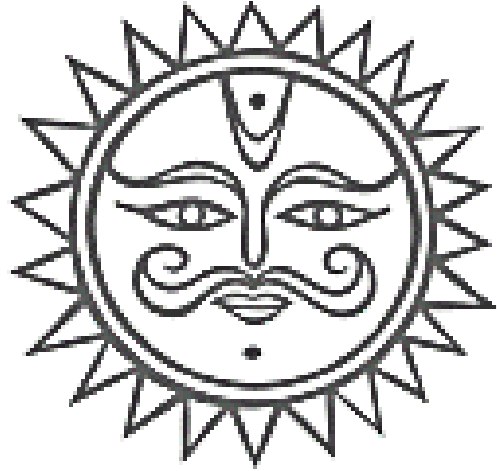
➤ भिन्न-भिन्न धर्म के लोग अपने-अपने पूजास्थानों में प्रार्थना करने के लिए जाते हैं। हिन्दू मंदिर में, मुसलमान मस्जिद में, ईसाई चर्च में, सिक्ख गुरुद्वारा में और पारसी अगियारी में प्रार्थना करने के लिए जाते हैं।

### 3. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश-क्रम के अनुसार लिखिए:

हृदय, मनुष्य, सुख, शांति, मित्र, डॉक्टर, दृष्टि, योद्धा,  
श्रृंखला, नाविक, और, धन, क्षमता, उज्ज्वल, मंदिर, दूध,  
स्वर, धरा

➤ उज्ज्वल, और, क्षमता, डॉक्टर, दूध, दृष्टि, धन, धरा, नाविक,  
मंदिर, मनुष्य, मित्र, योद्धा, शांति, श्रृंखला, सुख, स्वर, हृदय

4. इस चित्र की मदद से एक कविता की रचना कीजिए :



➤ हे सूर्यदेवता,  
हे जीवनदाता,  
तुम हो हमारे पिता और माता।  
तुमसे होती है सुबह और शाम,

तुम देखते हो हमारे सब काम,  
धरती का कण-कण तुम्हारे गुण गाता।  
तुमसे बड़ा है कोई न दानी,  
तुमसे मिलते प्रकाश और पानी,  
तुमसे सारा जहान सुख पाता।  
हे सूर्य देवता, हे जीवन दाता।



## 5. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:

(1) मैंने कविता लिखी।

➤ हमने कविताएँ लिखीं।

(2) यह मेरी किताब है।

➤ ये हमारी किताबें हैं।

(3) इसे लड्डू दे दो।

➤ इन्हें लड्डू दे दो।

## स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कवि ईश्वर से क्या चाहते हैं?

➤ कवि चाहते हैं कि ईश्वर लोगों के अपराधों को क्षमा कर दे। वह हमेशा लोगों पर अपनी कृपादृष्टि रखे। दुनिया के लोग किस हालत में हैं, इसकी वह हमेशा खबर रखे और दुनिया पर आनेवाली आफतों को दूर करे।

(2) 'तू अपनी नज़र हम पर रखना' ऐसा कवि क्यों कहते हैं ?

➤ ईश्वर की इच्छा से ही दुनिया में हमारा जन्म हुआ है। उसी की कृपा से हमें यह शरीर और ये प्राण मिले हैं। हमारा जीवन उसी के भरोसे है, क्योंकि वही हमारा रखवाला है। इसलिए कवि ईश्वर से हम पर अपनी नजर (कृपादृष्टि) रखने के लिए कहते हैं।

(3) कवि किसे सबसे ताकतवाला मानते हैं ? क्यों?

➤ कवि ईश्वर को सबसे ताकतवाला मानते हैं। ईश्वर सर्वशक्तिमान है। वह सब कुछ कर सकता है। वह जिसे चाहे उसे जीवन दे सकता है और जिसका चाहे उसका जीवन ले सकता है। वह हर आफत को दूर करने में समर्थ है। इसलिए कवि ईश्वर को सबसे अधिक ताकतवाला मानते हैं।

(4) कवि खुद से क्या कहना चाहते हैं?

- कवि खुदा से यह कहना चाहते हैं कि वह सर्वशक्तिमान और दयालु है। हम सभी लोग ईश्वर के सामने सिर झुकाकर खड़े हैं। वह सब पर अपनी कृपादृष्टि बनाए रखे और लोगों पर आई हुई विपत्तियों को दूर करता रहे।

## 2. दिए गए भाव के आधार पर काव्य पंक्तियाँ लिखिए:

(1) हे ईश्वर ! तेरी कृपा से मुझे शरीर और प्राण मिले हैं। चाहे जो भी हो, तुम अपनी कृपा दृष्टि हम पर सदा रखना।

➤ तेरी रहमत से हम सबने,  
ये जिस्म ओ जाँ पाए हैं।  
तू अपनी नजर हम पर रखना  
किस हाल में हैं, ये खबर रखना,...

**(2) हे प्रभु ! ये सारा संसार तेरा है, तू बड़ा दयालु है। तू  
हम पर अपनी दया दृष्टि रखना।**

**➤ तेरी है जमीं, तेरा आसमान,  
तू बड़ा मेहरबाँ, तू बखशीश कर।**

3. अपूर्ण काव्य पूर्ण कीजिए :

मेरी प्यारी-प्यारी गाय

घर की राज दुलारी गाय

जो भी देखे खुश हो जाए,

ऐसी न्यारी मेरी गाय ।



4. यह गीत हिन्दी फिल्म 'द बर्निंग ट्रेन' से लिया गया है। तुमने इस प्रकार की और भी प्रार्थनाएँ सुनी होंगी । ऐसी ही कोई और प्रार्थना लिखो जो कि किसी फिल्म में हो।

अय मालिक , तेरे बंदे हम ,

ऐसे हों हमारे करम

नेकी पर चले और बदी से बचे ,

ताकि हंसते हुए निकले दम ।

ये अँधेरा घना छा रहा , तेरा इंसान घबरा रहा

हो रहा बेखबर, कुछ न आता नजर,  
सुख का सूरज छुपा जा रहा  
है तेरी रोशनी में जो दम,  
तु अमावस को कर दे पूनम !  
बडा कमजोर है आदमी,  
अभी लाखो है उसमे कमी,  
पर तू जो खड़ा है दयालु बड़ा  
तेरी कृपा से धरती थमी

दिया तूने हम सबको जनम  
तू ही झेलेगा हम सबके गम ।  
जब जुल्मो का हो सामना  
तब तू ही हमे थामना,  
वो बुराई करे हम भलाई भरे  
नहीं बदले की हो कामना ।  
बढ़ चुके प्यार का हर कदम  
और मिटे भेद का ये भरम ।

## 5. ୟસ ્રાર્થના ી ીપની ીાતૃભાષા ીં ીિલિખિલ

હે ીશ્વર, ીમે ીારા ભક્ત ીીએ

઀મારા કર્મ ઀વા હોય કે

પ્રમાણિક્તાથી વર્તીએ ઀ને બૂરાઈથી દૂર રહીએ,

જેથી હસતાં -હસતાં ઀મારા પ્રાણ નીકળે.

઀ા સધન ઀ંધકાર ીવાઈ ગયો ીે ઀ને ીારો મનુષ્ય ડરી રહયો ીે.

સર્વથી ઀જાણ બની ગયા ીે ઀ને ીેમને કશુંય નજરે પડતું નથી .

સુખનો સૂર્ય ીુપાઈ ગયો ીે,

તારા પ્રકાશમાં એવી શક્તિ છે કે  
તું અમાસને પૂનમ બનાવી શકે છે !

મનુષ્ય ખૂબ નિર્બળ છે .

હજી તેનામાં લાખો ક્ષતિઓ છે,  
પરંતુ તુ જે વિધમાન છે અને ખૂબ દયાળુ છે.

તારી કૃપાથી ધરતી સ્થિર છે

તે અમને સૌને જન્મ આપ્યો છે .

તું અમારા સૌના દુઃખ સહન કરશે.

જયારે અત્યાચારનો સામનો કરવાનો હોય ત્યારે  
તુ જ અમને સંભાળી લે જે.  
તેઓ બૂરાઈ કરે અને અમે ભલાઈ કરીએ.  
અમારામાં બદલો લેવાની ભાવના ન હોય.  
અને વેર લેવાનો ભ્રમ દૂર થાય.

**Thanks**



**For watching**